वर्ष 3 (3)

N' (1)

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय: हिन्दी | विषय कोड: 001 | परीक्षा का माध्यम: हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

तीर के निशान ↓

[redacted]

320 - 0490088

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	0	1	6	2	8	9	8	7

शब्दों में: two zero one six two eight nine eight seven

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, M.P., BHOPAL

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में [ ] शब्दों में [ ]

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 04

ग :– परीक्षा का दिनांक 2 / 03 / 20

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सैकण्ड्री परीक्षा

केन्द्र क्रमांक 16102

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: मनोज बी

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है। निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा | परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

श्रीमती विजयलक्ष्मी रैकवार
उच्च०माध्य०शिक्षक
शा.उ.मा.वि.कन्हवारा कटनी
पंजीयन क्र.72015199

V.K. MARKAM
Uchch Madhyamik Shikshak
GOVT.H.S.S.KANHWARA
Mo.8319006660
72017669

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाइस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

desmat

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = (1)

उत्तर (1)

(1) (ब) महादेवी वर्मा

(2) (अ) कबीरदास

(3) (ब) सुजान

(4) (स) सावन गीत

(5) पाड़ोन के जंगल में

B S E

प्रश्न क्रमांक = (2)

उत्तर (2)

(अ) छायाबाद

(ब) श्री कृष्ण

(स) जलशोधन

(द) तीन

(इ) णेश शंकर विद्यार्थी

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = (3)

उत्तर (3)

(1) असत्य

(2) सत्य

(3) असत्य

(4) असत्य

B
S
E

(5) सत्य

प्रश्न क्रमांक = (4)

उत्तर (4)

(अ) सभी विपत्तियों को हरते हैं = (iii) श्री गणेश

(ब) व्यंग्य की प्रधानता = (vi) नई कवित

(स) मध्यम वर्गीय परिवार की समस्या = (i) नये मेह

(द) ंस की बहन = (ii) देवकी

(इ) ाय करुणा की कविता है = (iv) महात्मा गा

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 5

उत्तर 5

(अ) श्री कृष्ण के मित्र उद्धव जी ।

(ब) (i) साहय और (ii) असाहय ।

(स) अन्योक्ति अलंकार ।

(द) सन 1943 ~~1950 ई.~~ ।

(इ) प्रसन्नता (आनन्द) का ।

B S E

प्रश्न क्रमांक = 6

उत्तर 6 श्री कृष्ण ने दही का दोना अपनी पीठ के पीछे छिपा लिया ।

प्रश्न क्रमांक = 7

उत्तर 7 चातक अपनी बोली द्वारा विरही हृदय को चोट पहुँचा रहा है, इसलिए कवि (घनानन्द) ने चातक को घातक कहा गया ।

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 5 क

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 8

उत्तर 8 क्षणिक आतंक :- क्षणिक आतंक से तात्पर्य थोड़ी देर के लिए आए भय (दबदबे) से है।

प्रश्न क्रमांक = 9

उत्तर केवट के अनुसार पगधूरि का प्रभाव है, कि उसके मात्र छू लेने से शिला (जड़) भी स्त्री (चेतन) बन जाती।

प्रश्न क्रमांक = 10

उत्तर 10 साँझ - सकारे भारत माता की आरती सूरज और चन्द्रमा करते है।

प्रश्न क्रमांक = 11

उत्तर 11 गजाधर बाबू के लिए मधुर संगीत रेल की पटरियों की खट्-खट् है।

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = (12)

उत्तर (12) रेवती का घर छोटा घुटन वाला, जीवन की सुख-सुविधाओं से रहित, किसी जेलखाने की किसी कोठरी जैसा है, इसलिए रेवती पने घर को जेलखाना के म से सम्बोधित करती है।

प्रश्न क्रमांक = (13)

B
S
E

उत्तर (13) राजा मानसिंह के विश्वसनीय मित्र थे। तात्या एक वर्ष से दौड़ते-दौड़ते ठीक प्रकार से खाना न मिलने के कारण उनका (तात्या) स्वास्थ्य बिगड़ गया और वे जा मानसिंह के संरक्षण में ये।

प्रश्न क्रमांक = (14)

उत्तर उत्तराखंड के चारों धाम चार पवित्र नदियों के किनारे स्थित हैं :-

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

चार धाम पवित्र नदियाँ

(1) यमुनोत्री = यमुनानदी के किनारें

(2) गंगोत्री = गंगा नदी के किनारें

(3) केदारनाथ = मंदाकिनी नदी के किनारें

(4) ीनाथ = अलकनंदा नदी के किनारें।

प्रश्न क्रमांक = (15)

उत्तर शब्द वाक्य :-

(1) सरोवर में पानी भरा है।

कश्मीर की सौन्दर्य मनमोहक है।

प्रश्न क्रमांक = (16)

उत्तर (16) छन्द :- "जिस काव्य रचना में मात्रा, वर्ण, गण, यति, लय और तुक आदि का विचार

[redacted]

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

करके शब्द योजना की जाती है, उसे छन्दशास्त्र में छन्द कहते है।"

"कविता के शाब्दिक अनुशासन का नाम ही छन्द है।"

[redacted] दो प्रकार के होते हैं:-

(i) वार्णिक छन्द,
(ii) मात्रिक छन्द।

BSE

प्रश्न क्रमांक = (17)

उत्तर (17) गणेश शंकर विद्यार्थी की व्यक्तित्व की विशेषताएँ निम्न-लिखित है:

(1) अत्यन्त सरल एवं त्यागी, धन और वैभव से बहुत दूर।

(2) मझोले कद के दुबले पतले आदमी सकल से ही पता चल जाता है कि उनकी जिन्दगी अभावों से लड़ने में गुजरी है।

[redacted]

सरकार को हिला देने अन्दर से बहुत भोले थे।

प्र० क्र० = (18)

उत्तर (18) **राष्ट्र भाषा :-** "राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य एवं विभिन्न राज्यों द्वारा अपनायी जाने वाली ~~विकसित~~ विकसित भाषा राष्ट्र भाषा है।"

राष्ट्र भाषा की विशेषताएँ निम्नलिखित है :-

राष्ट्र भाषा सम्पूर्ण राष्ट्र की सम्पर्क भाषा है।

यह बहुसंख्यक लोगों द्वारा बोली जाती है।

S (2)
E

प्रश्न क्रमांक = (19)

उत्तर (19) **श्लेष अलंकार :-** ~~जब कोई~~ "श्लेष अलंकार में एक शब्द के दो या दो से अधिक अर्थ चिपके रहते हैं।" श्लेष अलंकार का शाब्दिक अर्थ है चिपका हुआ।

उदाहरण :-

चिरजीवी जोरी जुरै, क्यों न सनेह गंभीर।

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

को धति ये बृषभानुजा वे हलधर के बीर ||

यहाँ बृषभानुजा और हलधर शब्द तो एक-एक है, लेकिन उनके दो से अधिक अर्थ है :-

(i) बृषभानुजा = राजाजी और गाय |

(ii) हलधर = बलराम और बैल |

B S E

प्र० क्र० = (20)

उत्तर (20)

छायावाद और रहस्यवाद में अन्तर निम्न-लिखित है :-

छायावाद	रहस्यवाद
(1) इसमें हम अपनी आत्मा के दर्शन करते हैं		(1) इसमें ईश्वरीय आत्मा के दर्शन करते हैं	
(2) इसमें ~~कलपना~~ कल्पना की प्रधानता रहती है	(2) इसमें चिन्तन की प्रधानता रहती है	

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

③ इसमें भावना की प्रधानता रहती है।	③ इसमें ज्ञान तथा बुद्धितत्व की प्रधानता रहती है।
④ यह काव्य प्रकृति मूलक है।	④ यह काव्य दार्शनिक प्रकृति का है।

प्र० क्र० = (21)

उत्तर (21) ~~रेखा~~ रेखाचित्र और संस्मरण में चार अन्तर निम्न-लिखित हैं :-

रेखाचित्र	संस्मरण
① रेखाचित्र को सांकेतिकता के आधार पर चित्रण किया जाता है।	① जीवन की मार्मिक अनुभूतियों को स्मृति के आधार पर चित्रण किया जाता है।
② रेखाचित्र सांकेतिक और व्यंजक होते हैं।	② संस्मरण अभिधा-मूलक होते हैं।

प्रश्न क्र.

③ रेखाचित्र में लेखक पूर्णतः तटस्थ रहता है।	③ संस्मरण में लेखक पूर्णतः तटस्थ नहीं रहता है।
④ रेखाचित्र सजीव होते हैं।	④ संस्मरण विवरण प्रधान होते हैं।

प्र० क्र० = (22)

B S E

उत्तर = (22)

तुलसीदास :-

(अ) दो रचनाएँ :- (i) श्रीरामचरितमानस जी

(ii) [redacted] विनय पत्रिका।

(ब) भावपक्ष :- तुलसी दास जी रससिद्ध कवि थे। उन्होंने श्रृंगार रस का बड़ा ही ~~मन से~~ मनमोहक चित्रण किया है। शांत रस का वर्णन उत्तम है। उनकी भक्ति दास्य भाव की थी। तुलसी दास जी ने काव्य

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

शास्त्र को माध्यम बनाकर हिन्दी साहित्य को श्रेष्ठ रचनाएँ प्रदान की।

कलापक्ष :- तुलसी दास जी की भाषा संस्कृतनिष्ठ भाषा है, भाषा में अवधी एवं ब्रजभाषा के साथ-साथ अरबी, फारसी, बंगाली, पंजाबी भाषाओं की लोकोक्तियों का भी प्रयोग किया है। मुख्य रूप से ~~[illegible]~~ अवधी का प्रयोग किया है।

साहित्य में स्थान :- तुलसी दास जी हिन्दी के श्रेष्ठतम कविवर के रूप में विख्यात है। तुलसी दास जी की हिन्दी साहित्य में अनूठी देन युग-युग तक अमर रहेगी। तुलसी दास जी सगुण भक्ति धारा के राममार्गी शाखा के प्रमुख कवि है।

प्र० क्र० = (23)

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

B
S
E

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

(अ) दो रचनाऐं :- (1) चिन्तामणि, (2) बुद्ध चरित

(ब) भाषाशैली :- 'शुक्ल' जी की भाषा परिष्कृत, प्रौढ़ एवं साहित्य खड़ी बोली है। इस भाषा में सौष्ठव है एवं गम्भीर विवेचन की अपूर्व शक्ति है। 'शुक्ल' जी की भाषा में व्यर्थ का शब्दाडम्बर नहीं मिलता है।

'शुक्ल' जी अपनी शैली के स्वयं निर्माता थे। उन की शैली समास रूप से प्रारम्भ होकर व्यास शैली के रूप में समाप्त होती है। 'शुक्ल' जी सूत्रात्मक शैली के प्रणेता है। 'शुक्ल' जी ने समय के अनुसार विविध शैलियों को अपने साहित्य में सजाकर हिन्दी साहित्य को श्रेष्ठ रचनाएँ दी है।

साहित्य में स्थान :- 'शुक्ल' जी हिन्दी साहित्य के कालजयी, समीक्षक, इतिहासकार एवं साहित्यकार के रूप में

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र.

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY

प्रश्न क्र.

याद किए जाते हैं। 'शुक्ल' जी का हिन्दी साहित्य में गद्यकार के रूप में याद किए जाते हैं।

प्र० क्र० :- 24

उत्तर 24

संकेत :- माटी कहै ------ हाथ ॥

सन्दर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'स्वाति' के 'नीति काव्य' के शीर्षक 'अमृतवाणी' से अवतरित है, जिसके कवि 'कबीरदास' जी है।

प्रसंग :- मानव शरीर मिट्टी से ही बना है और मृत्यु के बाद मिट्टी में ही मिल जायेगा।

व्याख्या :- प्रस्तुत पद्यांश में कबीर दास जी कहते हैं कि -
माटी कुम्हार से कहती है कि आज तू मुझे (माटी) रौंद कर बड़ा प्रसन्न हो रहा है, कल वह समय भी आएगा जब मैं (माटी) तुझे (कुम्हार) अपने नीचे रौंदूगी। अर्थात मानव शरीर मिट्टी से ही बना है और मृत्यु के

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

कुल अंक

प्रश्न क्र.

बाद मिट्टी में ही मिल जाएगा।
कबीर दासजी कहते हैं कि यह (मानव शरीर) मिट्टी के कच्चे घड़े के समान है, ~~जो वर्षा ऋतु का पानी पड़ते ही~~ ~~टूट जाएगा~~ जिसे हम अपने साथ लिए घूमते-फिरते हैं। अर्थात् यह शरीर मिट्टी का कच्चा घड़ा है जो वर्षा ऋतु का पानी पड़ते ही टूट जाएगा (नष्ट) हो जाएगा। फिर हाथ में कुछ नहीं बचेगा। कहने का तात्पर्य है कि इस शरीर से जितने परोपकार (दान-पुण्य) हो सके उतने करना चाहिए।

काव्य सौन्दर्य :-

(1) दोहा छन्द है।

(2) भाषा पूर्वी जनपद की है, परन्तु सरल।

(3) स्पष्ट किया गया है, कि शरीर मिट्टी का चोला मिट्टी में ही मिल जाएगा।

B S E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर (25) प्र० क्र० = (25)

संकेत :- असल प्रकाश - - - - रुकती नहीं।

सन्दर्भ :- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'स्वाति' के 'तिमिर गेहँ में किरण आचरण' नाम पाठ से अवतरित है। जिसके लेखक 'डॉ. श्याम सुन्दर दुबे' है।

प्रसंग :- प्रस्तुत गद्यांश ~~हमारी~~ में लेखन ने बताया है, कि सृजन का प्रकाश रुकता नहीं है।

व्याख्या :- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक कहते हैं, कि असली प्रकाश तो हमारी जिन्दगी में छिपा है- "सृजन का प्रकाश"। निर्माण सदैव विकास की ओर जाता है, उसे अंधेरे बन्द कमरों में बन्द नहीं किया जा सकता है। जैसे एक छोटा सा दीपक दूर-दूर तक प्रकाश फैलाता जाता है, उसी प्रकार सृजन का प्रकाश फैलता है, उसे बन्द नहीं किया जा सकता है। व्यक्ति का आचरण, शील, मेहनत, ईमानदारी,

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

विवेक, आस्था, निष्ठा आदि गुण सृजन की यात्रा को आगे की ओर ले जाते हैं। आले में अंकुरित गेहूँ का पौधा भी मनुष्य को यही प्रेरणा देता है, कि सृजन की यात्रा कभी रुकती नहीं है।

विशेष :-

B (1) शब्द चयन उत्तम है, जिसे भाषा सरल बन गयी है।

S (2) उदाहरण से सम्पूर्ण व्याख्या में सरलता आ गयी है।

E (3) स्पष्टीकरण हुआ है, कि निर्माण सदैव विकास की ओर जाता है।

प्र० क्र० = (26)

उत्तर (26)

(अ) शीर्षक :- सफलता का श्रेय: "श्रम"।

(ब) सही श्रम तो वही है जो कुछ ठोस परिणाम देता है।

पूर्व पृष्ठ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

सारांश :- सफलता का श्रेय "श्रम" है। मनुष्य जितना अधिक श्रम-परिश्रम और मेहनत करेगा वह उतना ही आगे निकलेगा। और वह आगे बढ़ेगा। अतः शिक्षण का सही उद्देश्य देश में ऐसे कर्मठजनों का निर्माण एवं उत्तरोत्तर उसका प्रतिशत बढ़ाना है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्र० = 27

सेवा में,
श्री मान् सचिव महोदय
माध्यमिक शिक्षा मण्डल,
भोपाल (मध्य-प्रदेश)

बिषय :- अंग्रेजी बिषय की उत्तर-पुस्तिकाओं के पुनर्गणना हेतु आवेदन पत्र।

महोदया,
सविनय निवेदन है, कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल (मध्य-प्रदेश) द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं की परीक्षा बर्ष 2020 में दी है। अंकसूची प्राप्त होने पर अंग्रेजी के प्राप्तांक देखकर मुझे बड़ा ~~आश्चर्य हुआ~~ आश्चर्य हुआ। पुनर्मूल्यांकन के आधार पर लगभग 10 अंक अधिक होने चाहिए। अभी मेरी कुल अंक 68 प्रतिशत है। लेकिन पुनर्गणना के आधार पर मैं अंक 75 प्रतिशत अधिक अंक लाने की उम्मीद रखता हूँ।
इस ~~सम्बन्ध~~ सम्बन्ध में उचित कार्यवाही करने की कृपा करें।

B
S
E

प्रश्न क्र.

इस कृपा के लिए महोदय जी आपकी अति कृपा होगी।
मेरी जानकारी निम्नानुसार है -

नाम = क ख ग
पिताजी का नाम = क ख ग
माताजी का नाम = क ख ग
परीक्षा = 12वीं 2020
परीक्षा केन्द्र = ~~[illegible]~~ क ख ग.
अनुक्रमांक = 20162 8987
पत्र व्यवहार
का पता = भोपाल नगर (म. प्र.)

सधन्यवाद प्रार्थी
नाम :- क ख ग
दिनांक 2/3/2020 अनुक्रमांक :- 2016
28987

उत्तर (28) प्र० क्र :- (28)

(iv) विज्ञान और मानव जीवन

(1) प्रस्तावना :- आज विज्ञान का युग है विज्ञान ने विश्व विश्व के सभी क्षेत्रों में अपनी विजय का पताका फहरा रही है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

यह अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आज के युग को यदि हम वैज्ञानिक नाम दे दें। प्राचीन तथा आधुनिक काल में पूर्णतः विपरीतता आ गयी है। उसमें नवीनता का समावेश हो चुका है। आज की दुनिया प्रतिक्षण बदलती दिखती है। अतः परिवर्तन ही विकास है।

B
S
E

(2) आवागमन के साधन :- आज विज्ञान की कृपा से आवागमन के साधन सर्वसुलभ हो गये हैं। राष्ट्रीय पर्वों एवं शोक के अवसरों पर समस्त राष्ट्र के राष्ट्राध्यक्षों का एक मंच पर उपस्थित होना इसका ज्वलन्त उदाहरण है।

(3) बिजली वरदान स्वरूप :- बिजली प्रतिपल हमारे घरों में एक दासी की भाँति कार्य कर रही है। बिजली की सहायता से चलने वाले टी.वी., पंखा, कूलर, रेडियो, टेलीविजन, सी.एफ.एल आदि चलाए जाते हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

पंखा, कूलर दुपहरी में चलकर मानव को परम शान्ति प्रदान कर रहे हैं।

(4) **कृषि के क्षेत्र में योगदान :-** कृषि के लिए नये यंत्र विज्ञान ने आविष्कृत किए हैं। रासायनिक दवाइयाँ व रासायनिक खाद नष्ट होती हुई फसल को बचा लेते हैं।

(5) **श्रम की बचत :-** मानव, विज्ञान द्वारा आविष्कृत मशीनों के माध्यम से पूरे दिनभर का कार्य कुछ घण्टों में समाप्त करके बचे हुए समय में मनोरंजन, बच्चों के साथ खेलना तथा स्वाध्याय में व्यतीत करता है।

विज्ञान से हानि :- हर अच्छाई के पीछे बुराई छिपी होती है। जहाँ विज्ञान ने मानव को अनेक सुख-सुविधाएँ प्रदान की है, वहाँ अशान्ति व दुख का भी सृजन हुआ है।

अगर हम सावधानीपूर्वक विचार करे तो विदित होता है, कि जितनी गलतियाँ विज्ञान की नहीं है, जितनी मानव की कुत्सित प्रवृत्तियाँ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

दोषी है।

(7) उपसंहार :- ~~अगर हम सोचे कि~~ ~~विज्ञान~~ विज्ञान ~~है~~ स्वयं में अच्छा बुरा नहीं है यह मानव के प्रयोग पर निर्भर है, आज विज्ञान के गलत प्रयोग से दुनिया में विनाशकारी दृश्य नजर आ रहे हैं। अतः विज्ञान का प्रयोग जनहित में करना चाहिए, न की विनाश में। अतः आज आवश्यकता इस बात की है, कि विज्ञान का उपयोग जनकल्याण में ही करें।

B

S

E

(ब) (iv) जल ही जीवन है :-

1. प्रस्तावना,
2. जल का महत्व,
3. जल का उपयोग,
4. जल स्रोत,
5. जल संकट,
6. जल का संरक्षण,
7. उपसंहार।